

## अनुबंध 2.10 आइबीएस के अंतर्गत डेरिवेटिवों की रिपोर्टिंग

### शाखाओं/सहयोगियों द्वारा रिपोर्टिंग

भारत में बैंक शाखाओं (विदेशी बैंको सहित) और भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं/सहयोगी बैंकों को डेरिवेटिव (यथा, वायदा, स्वाप्स, एफआरए, फ्यूचर्स, ऑप्शन्स, क्रेडिट डेरिवेटिव, आदि) संविदाओं के काउंटर पार्टी और संविदावार मार्केट टू मार्केट (एमटीएम) मूल्य सकल आधार पर (अर्थात् धनात्मक और ऋणात्मक बाजार/उचित मूल्य) समतुल्य अमरीकी डालर में निपटान की मुद्रा, काउंटर पार्टी का देश, अंतिम जोखिम का देश और क्षेत्र के ब्यौरे के साथ अपने-अपने प्रधान/प्रिसिपल कार्यालयों को प्रस्तुत करना होता है। यह उल्लेखनीय है कि काउंटर पार्टीवार असली स्थिति का निर्धारण (जहाँ विनिर्दिष्ट विधिक रूप से प्रवर्तनीय द्विपक्षीय निर्धारण व्यवस्था, यथा, इंटरनैशनल स्वाप्स एंड डेरिवेटिव एसोसिएशन (आइएसडीए) मास्टर करार, आदि विद्यमान हो) प्रधान कार्यालय स्तर पर किया जायेगा। सहयोगी बैंकों के संबंध में जानकारी की रिपोर्ट करना आवश्यक नहीं है, जब तक कि मूल बैंक द्वारा स्पष्ट गारंटी प्रदान नहीं की गयी हो।

सभी डेरिवेटिव, चाहे वे बैंकिंग व्यापार बही में धारित हों (हेज या ट्रेडिंग), की रिपोर्ट उचित मूल्य आधार पर की जानी चाहिए।

ऋण डेरिवेटिव, यथा, क्रेडिट डिफॉल्ट स्वाप्स और टोटल रिटर्न स्वाप्स, की रिपोर्ट की जानी चाहिए यदि वे संरक्षण क्रेता रिपोर्टिंग बैंक की व्यापार बही की हैं। जो क्रेडिट डेरिवेटिव बैंकिंग बही की हों, उनकी रिपोर्ट 'जोखिम अंतरण' के रूप में संरक्षण क्रेता द्वारा की जानी चाहिए।

क्रेडिट डेरिवेटिवों के मामले में, व्यापार बही में बुनियादी रूप से तीन पार्टियाँ होती हैं, संरक्षण विक्रेता, संरक्षण क्रेता और पूर्वताप्राप्त डेरिवेटिव का जारीकर्ता। अंतिम जोखिम का देश पूर्वताप्राप्त डेरिवेटिव के जारीकर्ता पर आधारित होगा। इसलिए यदि किसी क्रेडिट डिफॉल्ट स्वाप्स के क्रेता के पास पूर्वताप्राप्त बांड/डिबेंचर है, जिसका जारीकर्ता अमेरिका में स्थित है, तो अंतिम जोखिम अमेरिका पर होगा। डेरिवेटिव का मूल्य होगा ऋण/निवेश की राशि घटाव पूर्वताप्राप्त बांड की अनुमानित वसूली।

*रिपोर्टिंग की मीयाद* : सभी डेरिवेटिव संविदाओं के काउंटर पार्टी और संविदावार एमटीएम मूल्य को समतुल्य अमरीकी डालर में रिपोर्ट किया जाना है, जो उन हज़िर दरों पर आधारित होगा, जो प्रासंगिक रिपोर्टिंग तिथियों को एफईडीआई द्वारा प्रकाशित की जायें। तथापि, रिपोर्टिंग की मीयाद निपटान की मीयाद होनी चाहिए और उसे अनुबंध III में दिये गये आइएसओ करेंसी कोड के रूप में

रिपोर्ट किया जाना चाहिए। निपटान की मीयाद और डेरिवेटिव संविदाओं की काउंटर पार्टी के देश के बारे में विस्तृत जानकारी प्रधान कार्यालय में निर्धारण के लिए अपेक्षित होती है।

*काउंटर पार्टी का देश* : वह देश होता है, जहाँ काउंटर पार्टी रहती है/परिचालन करती है। यदि रिपोर्टिंग बैंक की शाखा/कार्यालय की डेरिवेटिव संविदा भारत में सिंगापुर के किसी बैंक की शाखा/कार्यालय के साथ हो, तो आउंटर पार्टी का देश भारत (आइएन) होगा और अंतिम जोखिम का देश (गारंटीकर्ता) सिंगापुर (एसजी) होगा।

*अंतिम जोखिम का देश* : की परिभाषा उस देश के रूप में की जाती है, जहाँ किसी वित्तीय दावे का गारंटीकर्ता निवास करता है और/या वह देश, जहाँ किसी विधिक रूप से अवलंबित शाखा का प्रधान कार्यालय हो, उदाहरणार्थ, कोई भारतीय बैंक, जिसका अमेरिका के किसी बैंक की थाईलैंड स्थित शाखा/कार्यालय के साथ क्रॉस करेंसी स्वाप हो, वहाँ अंतिम जोखिम का देश अमेरिका है और काउंटर पार्टी का देश थाईलैंड है। किसी संपार्श्विक को, जो अर्थसुलभ और उस देश में उपलब्ध हो, जो उधारकर्ता के देश से भिन्न हो, उसी रूप में माना जा सकता है, जिसमें इस प्रयोजन के लिए गारंटियों को माना जाता है। विधिक रूप से स्वतंत्र सहयोगियों के संबंध में उन्हें प्रधान कार्यालय द्वारा गारंटीकृत तभी माना जा सकता है, यदि मूल कार्यालय ने एक स्पष्ट गारंटी दी हो। इसके विपरीत विधिक रूप से अवलंबित शाखाओं के संबंध में दावे, परिभाषा द्वारा, हमेशा संबंधित प्रधान कार्यालय द्वारा गारंटीकृत होते हैं। भारत में किसी बहुराष्ट्रीय उद्यम के मामले में, जिसका प्रधान कार्यालय भारत के बाहर हो, यह निश्चित करने की आवश्यकता होती है कि क्या प्रधान कार्यालय ने भारत में अपने कार्यालय को गारंटी दी है या नहीं दी है। यदि इसने गारंटी दी है, तो अंतिम जोखिम का देश वह देश होता है, जहाँ प्रधान कार्यालय हो। यदि इसने गारंटी नहीं दी है, तो अंतिम जोखिम का देश भारत है।

*अंतिम जोखिम का क्षेत्र* : किसी वित्तीय दावे के गारंटीकर्ता, उदाहरणार्थ, बैंक, बैंकेतर सरकारी क्षेत्र, बैंकेतर निजी क्षेत्र, सरकार, आदि का क्षेत्र होता है।

*मूल्य निर्धारण* : डेरिवेटिवों का मूल्य निर्धारण मार्केट टू मार्केट (एमटीएम) और निवल वर्तमान मूल्य (एनपीवी) आधार पर होना चाहिए। तथापि, काउंटर पार्टीवार निर्धारण बैंक के प्रधान कार्यालय में किया जायेगा, न कि शाखा स्तर पर। विदेशी मुद्रा वायदा संविदाओं के मूल्य निर्धारण की एमटीएम पद्धति के संबंध में वर्तमान प्रथा का पालन तब तक किया जा सकता है, जब तक एनपीवी विधि को

**अनुबंध 2.10**  
**आइबीएस के अंतर्गत डेरिवेटिवों की रिपोर्टिंग (जारी)**

वायदा संविदाओं के लिए लागू नहीं किया जाता है। मूल्य निर्धारण नीचे दिये गये मार्गदर्शन के आधार पर किया जाना चाहिए।

*उचित/बाजार मूल्य का पता करने के लिए मार्गदर्शन*

सामान्य नियम के रूप में किसी ऐसे लिखत के लिए, जिसका सक्रिय लेनदेन किसी मान्यताप्राप्त सार्वजनिक एक्सचेंज में किया जाता है, उस एक्सचेंज में लिखत की उद्धृत कीमत को मूल मूल्य निर्धारण कीमत के रूप में प्रयुक्त किया जाता है, जिससे कि लिखत का उचित मूल्य पता किया जा सके।

उन लिखतों के मामले में, जिनका सक्रिय लेनदेन काउंटर पर होता है, अधिक्रय के लिए उद्धृत बोली मूल्य अधिक्रय के लिए मांगी कीमत का प्रयोग मूल मूल्यन कीमत के रूप में किया जाता है। इन्हें संबंधित शेयर संतुलनकर्ता या दलालों से प्राप्त किया जा सकता है।

कम सक्रिय रूप से लेनदेन किये गये लिखतों/निष्क्रिय ओटीसी डेरिवेटिवों के मामले में बाजार मूल्य का सर्वोत्तम अनुमान लगाने के लिए विविध तकनीकों का उपयोग किया जाता है। यह संश्लिष्ट बाजार मूल्य बाजार ऑकड़ों (यथा, ब्याज/विनिमय दरों) का उपयोग युक्तियुक्त मॉडलों/प्रणालियों में करते हुए, जिनकी डिजाइन इस प्रयोजन के लिए बनायी जाती है, प्राप्त किया जा सकता है।

निम्नलिखित लिखतों के मामले में उनके सामने उल्लिखित बाजार ऑकड़ों का प्रयोग करते हुए उचित मूल्य प्राप्त किया जा सकता है।

एफएक्स हाजिर/वायदा	एफईडीएआइ द्वारा प्रकाशित कीमतें
एक्सचेंज में लेनदेन किये गये ब्याज दर फ्यूचर्स	संबंधित एक्सचेंज के संबंध में उद्धृत कीमतें
कमोडिटी फ्यूचर्स प्रासंगिक	एक्सचेंज द्वारा उद्धृत कीमत
ओटीसी डेरिवेटिव	
सक्रिय लेनदेन वाली ओटीसी लिखतें	शेयर संतुलनकर्ताओं द्वारा उद्धृत बाजार के सर्वोत्तम अनुमान पर आधारित दरें
अन्य सभी मामलों में	ऊपर (2) में यथावर्णित कीमतें

कुछ और अवधारणाएँ : वायदा वित्तीय डेरिवेटिव संविदा का बाजार मूल्य किसी अंतर्निहित मद के संविदागत मूल्य और उस मद के प्रचलित बाजार मूल्य (या वह बाजार मूल्य, जिसके प्रचलित रहने की उम्मीद है) के बीच अंतर को कल्पित राशि से गुणा करके, उसे अनुमानित रूप से बट्टागत करते हुए प्राप्त किया जा सकता है। कल्पित राशि, जिसे कभी-कभी अंकित रकम भी कहा जाता है, वह राशि होती है जो किसी वित्तीय डेरिवेटिव संविदा में अंतर्निहित होती है, जो संविदा के संबंध में भुगतान या प्राप्ति की गणना करने के लिए आवश्यक है। इस राशि का विनिमय किया जा सकता है या नहीं किया जा सकता है। किसी स्वाप संविदा के विशिष्ट मामले में बाजार मूल्य प्रत्याशित सकल प्राप्तियों और सकल भुगतानों के बीच अंतर से प्राप्त किया जाता है, लगभग बट्टागत करते हुए : अर्थात्, इसका निवल वर्तमान मूल्य। इसलिए किसी वायदा संविदा के लिए बाजार मूल्य का परिकलन उपलब्ध जानकारी, अंतर्निहित मद के लिए बाजार और संविदागत मूल्य, संविदा की परिपक्वता अवधि, कल्पित मूल्य और बाजार की ब्याज दरें - का प्रयोग करते हुए किया जा सकता है। काउंटर पार्टियों के दृष्टिकोण से किसी वायदा संविदा का मूल्य ऋणात्मक (देयता) या धनात्मक (आस्ति) हो सकता है और दीर्घावधि में परिमाण एवं दिशा, दोनों ही दृष्टि से परिवर्तित हो सकता है, जो अंतर्निहित मद के लिए बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव पर निर्भर होगा। प्रतिदिन आधार पर निपटारे गये वायदा संविदा, यथा, जिनका लेनदेन संगठित एक्सचेंजों में किया जाये - और फ्यूचर्स के रूप में जाना जाये - का बाजार मूल्य होता है, लेकिन प्रतिदिन उनका निपटान कि जाने से यह संभव है कि प्रत्येक अंत अवधि में उसका बाजार मूल्य शून्य हो जाये।

किसी ऑप्शन की कीमत अंतर्निहित मद की कीमत में संभावित कीमत-अस्थिरता, परिपक्वता की अवधि, ब्याज दर, और अंतर्निहित मद की संविदागत कीमत और बाजार मूल्य के बीच अंतर पर निर्भर करती है। लेनदेन किये गये ऑप्शन के लिए, चाहे वे किसी एक्सचेंज पर लेनदेन किये जायें या नहीं, मूल्यन तथ्यपरक कीमत के आधार पर होना चाहिए। प्रारंभ में किसी पिष्क्रिय ऑप्शन का बाजार मूल्य अदा किये गये या प्राप्त किये गये प्रीमियम की राशि होता है। बाद में निष्क्रिय ऑप्शन का मूल्यन गणितीय मॉडलों, यथा, ब्लैक स्कोल्स फॉर्मूला, का प्रयोग करत हुए किया जा सकता है, जो ऊपर उल्लिखित कारको को ध्यान मे रखते हुए ऑप्शन के मूल्य निश्चित करते हैं। किसी कीमत-निर्धारण मॉडल के अभाव में लेखाकरण या विनियामक प्रयोजनों के लिए रिपोर्ट की गयी कीमत का प्रयोग किया जा सकता है। वायदा के विपरीत ऑप्शन ऋणात्मक से धनात्मक मूल्य की

## अनुबंध 2.10 आईबीएस के अंतर्गत डेरिवेटिवों की रिपोर्टिंग (जारी)

ओर या धनात्मक से ऋणात्मक मूल्य की ओर नहीं जा सकता, लेकिन वे स्वामी के लिए आस्ति और ऑप्शन लेखक के लिए देयता बने रहते हैं।

*डेरिवेटिव संविदाओं के बाजार मूल्य या उचित मूल्य के परिकलन के लिए कुछ उदाहरण:* निम्नलिखित उदाहरण बताते हैं कि विविध डेरिवेटिव संविदाओं का बाजार मूल्य या उचित मूल्य किस प्रकार परिकलित किया जा सकता है :

किसी वायदा के लिए जब कोई संविदा वायदा दर 1.00 पर ईयूआर के लिए यूएसडी खरीदने के लिए की जाती है, तब प्रारंभ में उसका धनात्मक बाजार मूल्य होता है, यदि उसी निपटान तिथि के लिए रिपोर्ट करते समय ईयूआर/यूएसडी वायदा की 1.00 से कम होता है। इसका बाजार मूल्य ऋणात्मक होता है, यदि रिपोर्टिंग के समय वायदा दर 1.00 से अधिक हो और इसका बाजार मूल्य शून्य होता है, यदि रिपोर्टिंग के समय वायदा दर 1.00 के बराबर हो।

स्वाप्स के लिए, जिनमें बहुविध (और कभी-कभी दुतरफा) भुगतान शामिल होते हैं, बाजार या उचित मूल्य काउंटर पार्टियों के बीच अदला-बदली किया जाने वाला निवल वर्तमान मूल्य होता है, जो रिपोर्टिंग तिथि और संविदा की परिपक्वता के बीच हो, जहाँ प्रयोज्य बड़ा कारक सामान्यतः संविदा की अवशिष्ट परिपक्वता अवधि के लिए बाजार ब्याज दर को प्रतिबिंबित करता हो। इस प्रकार, कोई नियत/फ्लोटिंग स्वाप, जिसमें रिपोर्टिंग तिथि को प्रचलित ब्याज दर पर अगले तीन वर्षों के लिए कल्पित मूलधन के 2% के रिपोर्टर द्वारा निवल वार्षिक प्राप्तियाँ अंतर्ग्रस्त होती हैं, का तीन निवल भुगतानों (प्रत्येक कल्पित राशि का 2%), जिसे रिपोर्टिंग तिथि के प्रचलित बाजार ब्याज दर से भुनाया गया हो, की राशि के बराबर धनात्मक मार्केट टू मार्केट मूल्य (या प्रतिस्थापन) होता है। यदि संविदा रिपोर्टर के पक्ष में नहीं हो (अर्थात्, रिपोर्टर को निवल वार्षिक भुगतान करना होगा), तो संविदा का ऋणात्मक निवल वर्तमान मूल्य होता है।

वायदा या स्वाप के विपरीत ओटीसी ऑप्शन का प्रारंभ में बाजार या उचित मूल्य होता है, जो ऑप्शन लिखने वाले को भुगतान किये गये प्रीमियम के बराबर होता है। ऑप्शन का, अपने बने रहने की पूरी अवधि के दौरान, क्रेता के लिए केवल धनात्मक बाजार या उचित मूल्य होता है और विक्रेता के लिए ऋणात्मक बाजार या उचित मूल्य होता है। यदि किसी संविदा के लिए उद्धृत बाजार मूल्य उपलब्ध है, तो उस संविदा के लिए रिपोर्ट किया जाने वाला बाजार मूल्य संविदा की ट्रेडिंग यूनिटों की संख्या से उस बाजार मूल्य को गुणा करने पर प्राप्त गुणनफल होता है। यदि कोई उद्धृत बाजार मूल्य उपलब्ध नहीं है, तो किसी वायदा ऑप्शन संविदा का बाजार या उचित मूल्य रिपोर्टिंग किये जाते समय ऑप्शन के लिए अनुषंगी

बाजार मूल्य के आधार पर, जो उसी तय कीमत और अवशिष्ट परिपक्वता का है, जैसाकि मूल्यन किये जा रहे ऑप्शन का है या ऑप्शन कीमत निर्धारण मॉडलों का प्रयोग करते हुए निर्धारित किया जा सकता है। किसी ऑपन कीमत निर्धारण मॉडल में अंतर्निहित मद के लिए वायदा कीमतों का वर्तमान भाव (अमरीकी ऑप्शन्स के लिए हाजिर कीमत) और विवक्षित अस्थिरता और बाजार ब्याज दर, जो ऑप्शन्स की परिपक्वता से संबंध रखता हो, का उपयोग सामान्यतः बाजार मूल्य का परिकलन किये जाने के लिए किया जाता है। एक ही काउंटर पार्टी द्वारा बेचे और खरीदे गये ऑप्शन्स को एक दूसरे के विरुद्ध नहीं मिलाया जाना चाहिए और न ही उसी अंतर्निहित मद के संबंध में खरीदे और बेचे गये ऑप्शन्स का समायोजन किया जाना चाहिए। शाखा से प्रधान कार्यालय को डेरिवेटिवों की रिपोर्ट करने के लिए फॉर्मेट पर चर्चा पैराग्राफ 3.24 में की गयी है।

*ऑकड़ों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना:* डेरिवेटिवों के संबंध में समर्थक ऑकड़ों की अनुपलब्धता के चलते भारतीय रिजर्व बैंक स्तर पर उनकी व्याप्ति को सुनिश्चित/प्रति-परीक्षण करना संभव नहीं हो पायेगा। रिपोर्टिंग बैंकों/शाखाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे भारतीय रिजर्व बैंक में ऑकड़े प्रस्तुत करने के पहले उनकी शुद्धता/व्याप्ति/गुणवत्ता सुनिश्चित कर लें।

### बैंक के प्रधान/प्रिंसिपल कार्यालयों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्ट किया जाना :

बैंकों के प्रधान/प्रिंसिपल कार्यालयों से अपेक्षित है कि वे सभी डेरिवेटिवों (वायदा, स्वाप, एफआरएफ, फ्यूचर्स, ऑप्शन्स, क्रेडिट डेरिवेटिव, आदि) के संबंध में प्रत्येक देश (अंतिम जोखिम वाला देश) के लिए समेकित राशि प्रस्तुत करें। यह राशि धनात्मक बाजार मूल्य होगी, जो संबंधित रिपोर्टिंग तिथियों को एफईडीएआई के बंद हाजिर दर का प्रयोग करते हुए समतुल्य यूएसडी में मूल्यवर्गित वित्तीय दावों का द्योतक होगी। सहयोगी बैंकों के संबंध में जानकारी की रिपोर्ट करना अपेक्षित नहीं है, जब तक कि मूल बैंक द्वारा स्पष्ट गारंटी नहीं दी गयी हो।

बैंकों के प्रधान/प्रिंसिपल कार्यालयों से अपेक्षित है कि वे डेरिवेटिवों के संबंध में काउंटर पार्टी और संविदावार ऑकड़ों को मिलायें, जो शाखाओं द्वारा दिये गये हैं और उसकेसाथ प्रधान कार्यालय स्तर पर उपलब्ध ऑकड़ों को मिलायें और तब किसी काउंटर पार्टी के लिए नेटिंग करें, जहाँ विनिर्दिष्ट विधिक रूप से प्रवर्तनीय द्विपक्षीय नेटिंग व्यवस्था, यथा, इंटरनेशनल स्वाप्स एंड डेरिवेटिव एसोसिएशन (आइएसडीए) मास्टर करार मौजूद हो। नेटिंग के तंत्र का उदाहरण इस अनुबंध के अंत में दिया गया है। नेटिंग के बाद, जहाँ भी आवश्यक हो, केवल धनात्मक बाजार मूल्य, जो बैंक के वित्तीय दावों का द्योतक हो, की रिपोर्ट की जानी है।

**अनुबंध 2.10**  
**आइबीएस के अंतर्गत डेरिवेटिवों की रिपोर्टिंग (समाप्त)**

नेटिंग का तंत्र : दुनिया भर में एसबीआइ शाखाओं द्वारा की गयी संविदाएँ

रिपोर्टिंग शाखा	काउंटर पार्टी	निपटान की मुद्रा	काउंटर पार्टी का देश	अंतिम जोखिम का देश	डेरिवेटिव का प्रकार	एमटीएम मूल्य (यूएसडी)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
न्यूयार्क	सीपीआई-सिटी बैंक, न्यूयार्क	यूएसडी	यूएस	यूएस	एफएक्स वायदा	+ 100
न्यूयार्क	सीपीआई-सिटी बैंक, टोक्यो	यूएसडी	यूएस	यूएस	आइआरएस	-10
मुम्बई	सीपीआई-सिटी बैंक, कोलकाता	जेपीवाइ	आइएन	यूएस	एफसीवाइ आइआरएस	-75
मुम्बई	सीपीआई-सिटी बैंक, मुम्बई	जेपीवाइ	आइएन	यूएस	एफएक्स वायदा	+ 50
मुम्बई	सीपीआई-सिटी बैंक, दिल्ली	यूएसडी	आइएन	यूएस	एफसीवाइ आइआरएस	-10
मुम्बई	सीपी2-आइसीआइसीआइ बैंक, सिंगापुर	जीबीपी	एसजी	आइएन	एफएक्स वायदा	+ 30
कोलकाता	सीपी2-आइसीआइसीआइ बैंक, सिंगापुर	जीबीपी	एसजी	आइएन	एफएक्स ऑप्शन	-50
मुम्बई	सीपी2-आइसीआइसीआइ बैंक, मुम्बई	यूएसडी	आइएन	आइएन	आइआरएस	+ 80
कोलकाता	सीपी3-एसबीआइ, न्यूयार्क	यूएसडी	यूएस	आइएन	मुद्रा	-30 स्वाप
कोलकाता	सीपी3-एसबीआइ, लंदन	जीबीपी	जीबी	आइएन	एफएक्स ऑप्शन	+ 60

**टिप्पणी :** यह मान लिया गया है कि एसबीआइ और कॉलम (2) में उल्लिखित प्रत्येक काउंटर पार्टी के बीच विनिर्दिष्ट विधिक प्रवर्तनीय द्विपक्षीय नेटिंग व्यवस्था मौजूद है। तथापि, यदि किसी खास काउंटरपार्टी के साथ ऐसी व्यवस्था मौजूद नहीं है, तो उस काउंटरपार्टी के साथ की गयी सभी संविदाओं की राशियाँ धनात्मक बाजार मूल्यों के साथ जोड़ी जानी चाहिए और उनकी रिपोर्टिंग ऋणात्मक मूल्यों के साथ नेटिंग किये बिना की जानी चाहिए।

**काउंटरपार्टीवार नेटिंग और एसबीआइ द्वारा रिपोर्टिंग**

काउंटर पार्टी	निपटान की मुद्रा	काउंटरपार्टी का देश	अंतिम जोखिम का देश	मूल्यों की नेटिंग	अभ्युक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
सीपीआइ	यूएसडी	यूएस	यूएस	+ 100-10= + 90	रिपोर्ट की जाये
सीपीआइ	जेपीवाइ	आइएन	यूएस	-75+ 50= -25	रिपोर्ट नहीं की जाये
सीपीआइ	यूएसडी	आइएन	यूएस	-10	रिपोर्ट नहीं की जाये
सीपी2	जीबीपी	एसजी	आइएन	+ 30-50= -20	रिपोर्ट नहीं की जाये
सीपी2	यूएसडी	आइएन	आइएन	+ 80	रिपोर्ट की जाये
सीपी3	यूएसडी	यूएस	आइएन	-30	रिपोर्ट नहीं की जाये
सीपी3	जीबीपी	जीबी	आइएन	+ 60	रिपोर्ट की जाये